जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

21 दिसंबर 2023

प्रेस विज्ञप्ति

"विकसित भारत @2047: वॉय्स ऑफ़ यूथ": जामिया में सप्ताह भर चला सीसीए और एनएसएस कैंप एक सांस्कृतिक उत्सव के साथ समाप्त

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के शिक्षक प्रशिक्षण और गैर-औपचारिक शिक्षा विभाग (आईएएसई) द्वारा आयोजित एक सप्ताह तक चलने वाला सह-पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियाँ (सीसीए) और एनएसएस कैंप "विकसित भारत @2047: वॉय्स ऑफ़ यूथ" अभियान के हिस्से के रूप में 20 दिसंबर, 2023 को समाप्त हुआ। यह कैंप 14 दिसंबर को शुरू हुआ था।

कैंप के अंतिम दिन आईएएसई, जामिया द्वारा एक सांस्कृतिक उत्सव का आयोजन किया गया। जामिया के कुलपति प्रो. इकबाल हुसैन समारोह के मुख्य अतिथि थे और जामिया की डीन छात्र कल्याण (डीएसडब्ल्यू) प्रो. सीमी फरहत बशीर विशिष्ट अतिथि थीं। प्रोफेसर सारा बेगम, डीन शिक्षा संकाय, प्रोफेसर नाहीद जहूर, विभागाध्यक्ष ने भी अपनी उपस्थिति से इस अवसर की शोभा बढ़ाई।

कुलपति प्रो. इकबाल हुसैन ने सांस्कृतिक उत्सव का उद्घाटन किया और देश के विभिन्न राज्यों का प्रतिनिधित्व करने वाले सभी आठ हाउस के क्षेत्रों का दौरा किया। सभी हाउस ने उन्हें आवंटित राज्यों यानी मणिपुर, तमिलनाडु, गोवा, गुजरात, कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब और राजस्थान की कला और संस्कृति को प्रतिबिंबित करने के लिए अपने बेहतर प्रयास किए। मुख्य अतिथि ने भारत में विविधता को प्रतिबिंबित करने के लिए छात्रों के सराहनीय प्रयासों और अटूट प्रतिबद्धता की सराहना की।

उद्घाटन सत्र में तिलावत-ए-कुरान के बाद मेहमानों का परिचय दिया गया, जिसके बाद श्री जीशान ज़मीर के निर्देशन में छात्र गायक मंडल द्वारा जामिया तराना की प्रस्तुति दी गई। मुख्य अतिथि द्वारा मुख्य भाषण के बाद जश्न-ए-नौबहार नामक पत्रिका का शुभारंभ किया गया। समारोह एनएसएस गीत की प्रस्तुति के साथ जारी रहा, जिसके बाद छात्रों द्वारा सीसीए और एनएसएस रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। जामिया की डीएसडब्ल्यू प्रोफेसर सीमी फरहत द्वारा समापन टिप्पणी की गई। कार्यवाही भाग लेने वाले छात्रों द्वारा दिए गए धन्यवाद ज्ञापन के बाद राष्ट्रगान की प्रस्तुति के साथ सभा का समापन हुआ।

दोपहर के भोजन के बाद 2:00 बजे शुरू होने वाले कार्यक्रम में सीसीए समन्वयक, प्रोफेसर तबस्सुम नकी, डॉ. आरिफ मोहम्मद सहित सम्मानित जज प्रो. सारा हुसैन और डॉ. मोहम्मद जियाउद्दीन, एनएसएस अधिकारी, प्रोफेसर रूही फातिमा, डॉ. रईसा खान की उपस्थिति रही। सभी हाउसेस को विभिन्न तरीकों से सजाया गया था यानी भोजन स्टालों, कपड़े स्टालों और सभी आठ हाउसेस द्वारा विभिन्न प्रकार की कलाकृतियां तैयार की गईं और प्रस्तुत की गईं। कार्यक्रम के दौरान सभी आठ हाउस के सभी सदस्यों ने बड़े जोश और उत्साह के साथ अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। दोनों जज हाउस के संबंधित क्षेत्र का दौरा किया और भारत में विविधता को एक ही स्थान पर प्रतिबिंबित करने के उनके सराहनीय प्रयासों के लिए छात्रों की प्रशंसा की और उन्हें ग्रेड दिए।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया